

भीलवाड़ा : कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में तीसरा आरोपी आर्यन दाधीच भी गिरफ्तार

महज 25 लाख के सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के लालच में बदमाशों ने इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया था



आरोपी आर्यन दाधीच



वारदात में शामिल मुख्य आरोपी रवि तापड़िया और हीरा सिंधी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सावरकर चौक में 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया की हत्या के चर्चित मामले में भीमगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाधिकारी सुनील चौधरी के मुताबिक, वारदात में शामिल मुख्य आरोपियों रवि तापड़िया और हीरा सिंधी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी आर्यन दाधीच (19) उर्फ चूचा पुत्र जीतू शर्मा, निवासी मलाण को भी घर दबोचा है। पुलिस टीम मामले के हर पहलू को खंगाल रही है, वहीं घटना से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

लालच में लांघी क्रूरता की हदें, दहल उठा शहर -- वीर सावरकर चौक की तंग गलियों से लेकर कोठारी नदी के पुल तक, इस दर्दनाक घटना की खबर से पूरे भीलवाड़ा में सत्राटा और दहशत का माहौल है। महज 25 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के लालच में बदमाशों ने इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया। सुभाष नगर स्थित घनी आबादी के बीच बड़ी पुलिसिया के

समीप एक मकान की छत पर घटी इस खौफनाक वारदात ने स्थानीय निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। पति सौरभ और ससुर तेज सिंह कांकरिया के निधन के बाद पीड़िता घर पर अकेली रहती थी। घटना की भनक तब लगी जब खाना बनाने वाली रतन आंटी ने 14 अक्टूबर को उनके अचानक गायब होने की जानकारी दी। खबर मिलते ही पटेल नगर निवासी बहू रविना मौके पर पहुंची। कोठारी नदी के पुल पर

अपनी सास के अवशेष मिलने की आशंका के बीच रविना कार रो-रोकर बुरा हाल था, जिसे देख वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। पुलिस की पड़ताल में हत्यारों की साजिश का हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। कतिलों ने वारदात के बाद साक्ष्य नष्ट करने के मकसद से वृद्धा के शव को दो मंजिला मकान

की छत पर ले जाकर आग के हवाले कर दिया। शव के जलने की गंध आसपास न फैले, इसके लिए लकड़ियों के साथ प्रचुर मात्रा में हवन सामग्री और देसी घी का प्रयोग किया गया। यही नहीं घटनास्थल और आसपास के गलियारों में सीमेंट का लेप चढ़ाकर नया रंग-रोगन (पुताई) कर दिया गया, ताकि खून या अन्य

साक्ष्य छिप सके। इसके बाद अधजले अवशेषों और हड्डियों को बोरी में बंद कर महज दो किलोमीटर दूर कोठारी नदी के पानी में फेंक दिया था। भीमगंज थाना पुलिस का कहना है कि जांच प्रक्रिया अंतिम चरणों में है और इस जघन्य अपराध में शामिल हर गुनहगार को सख्त कानूनी अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

रूपवास शहर में ही अस्पताल निर्माण कराने की मांग उठाई, धरना जारी

रूपवास, (निसं)। उप जिला चिकित्सालय रूपवास के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत चैकोरा के नाला देविया में भूमि आवंटित किए जाने के विरोध में आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बुधवार को छठवें दिन उपखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। धरने में जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सरकार के भूमि आवंटन संबंधी निर्णय पर असहमति जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उप जिला चिकित्सालय का निर्माण रूपवास शहर में ही कराया जाए, ताकि कच्चे सहित आसपास की करीब 20 ग्राम पंचायतों के लोगों को आसानी से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

धरना पूर्व प्रधान रविंद्र सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य तथा पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा की

■ **उप जिला चिकित्सालय रूपवास के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत चैकोरा के नाला देविया में भूमि आवंटित किए जाने का विरोध**

अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह परमार ने कहा कि जब सरकार ने उप जिला चिकित्सालय रूपवास के नाम से स्वीकृत किया है, तो उसका भवन भी रूपवास में ही बनाया जाना चाहिए। उन्होंने जनता और जनप्रतिनिधियों से आवंटित भूमि के विरोध में आवाज उठाने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा निर्णय उन्हें स्वीकार नहीं है। क्रूर संघ के अध्यक्ष अमर सिंह अंधाना ने कहा कि संघर्ष समिति को इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाना चाहिए। उन्होंने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देने की बात कही। शिक्षाविद हरिशंकर शर्मा ने कहा

कि आवंटित भूमि शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर है और वहां आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं हैं। संघर्ष समिति के संयोजक एवं पार्षद पंडवोकेट धीरज शुक्ला ने आवंटित भूमि के सामने कचरा ढ़िंपण यार्ड और पीछे खनन क्षेत्र होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने आशंका जताई कि खनन गतिविधियों और कचरे के कारण क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या रह सकती है। ऐसे में अस्पताल के लिए इस स्थान का चयन उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि उप जिला चिकित्सालय के लिए रूपवास शहर में ही भूमि आवंटित की जाए। पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने भी आंदोलन को समर्थन दिया।

निजी मोबाइल कंपनी की दुकान में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित खासबाग एरिया में आई एक निजी मोबाइल कंपनी की दुकान में बुधवार की तड़के चार बजे आग लग गई। राहगीर की सूचना पर नागौरी गेट से दमकल की गाड़ी वहां पहुंची। कुछ देर बाद आग को काबू कर लिया गया। फर्नीचर के साथ एसो इत्यादि जलकर नष्ट हो गए।

नागौरी गेट दमकल सुओं के अनुसार बुधवार की तड़के पौने चार बजे किसी राहगीर द्वारा सूचना दी गई कि रातानाडा खासबाग एरिया में आए एक निजी मोबाइल कंपनी के सिम प्रोवाइडर दुकान में आग लगी है। तड़के निकल रहे धुएं पर इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल कर्मियों के अनुसार बाद में दुकान का ताला खोलकर भीतर प्रवेश किया गया। अंदर काफी धुआं हो रहा था। संभवतः शार्ट सर्किट से यह आग लगी थी।

रात 11 बजे बाद ट्रेनों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बंद रहेंगे

जोधपुर, (कासं)। ट्रेनों में रात के समय मोबाइल या पावर बैंक चार्ज करने के दौरान हादसों का खतरा रोकने के लिए रेलवे ने सुरक्षा नियमों की पालना सख्त करने के निर्देश दिए हैं। अब रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक सभी कोचों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बंद रखना अनिवार्य होगा। नियमों की अनदेखी रोकने के लिए औचक निरीक्षण भी किए जाएंगे।

रेलवे बोर्ड के विशेष कार्य अधिकारी (विद्युत इंजीनियरिंग-सामान्य) शोभित गुप्ता ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियरों को पत्र जारी किया है। इसमें निर्धारित अवधि में चार्जिंग पॉइंट बंद रखने के पूर्व में जारी निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा गया है। रेलवे बोर्ड के अनुसार दक्षिण पूर्व

रेलवे में हाल ही में एक घटना सामने आई, जिसमें निर्धारित समय में चार्जिंग पॉइंट बंद नहीं किए गए थे। इसी दौरान चार्जिंग पर लगा यात्री का पावर बैंक धुएं के साथ फट गया। इस घटना के बाद रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया है। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को औचक निरीक्षण कर यह जांचने के निर्देश दिए गए हैं कि रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक चार्जिंग पॉइंट बंद रखे जा रहे हैं या नहीं। इधर उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि रेलवे बोर्ड के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

युवकों का अपहरण कर मारपीट करने के दो आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिला अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर से दो युवकों का अपहरण कर उनके साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार करने के मामले में डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने दो घंटे में वारदात का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने कांकरादरा के जंगलों में दबिश देकर दोनों युवकों को गंभीर घायल अवस्था में छुड़ाया और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी पीड़ितों को नग्न अवस्था में राजस्थानी गांवों पर डांस करवा रहे थे और उनका वीडियो बना रहे थे। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं। घायल युवकों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोतवाली थाना सीआई हिमांशु सिंह राजawat ने बताया कि शहर के

भावसारवाडा निवासी नरेश जोशी ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सोमवार रात उनके बेटे कपिल जोशी के पैर में चोट लग गई थी। इसके बाद वह अपने पड़ोसी कीरीट के साथ डूंगरपुर जिला अस्पताल में पट्टी करवाने गया था। रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि दो-तीन लोग कपिल और कीरीट के साथ मारपीट कर उन्हें कार में डालकर ले गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तलाश शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह के नेतृत्व में जिले भर में नाकाबंदी कांई गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज तकनीकी संसाधनों और पारंपरिक पुलिसिंग की मदद से करीब 15 स्थानों के रास्तों की जांच की। संदिग्धों से पूछताछ के बाद

पुलिस को काकरादरा के जंगलों में आरोपियों की मौजूदगी का सुराग मिला।

पुलिस ने काकरादरा के जंगलों में दबिश देकर दोनों पीड़ितों को छुड़ा लिया। पुलिस के अनुसार, मौके पर आरोपी दोनों युवकों को गलत अवस्था में राजस्थानी गांवों पर डांस करवा रहे थे और इसका वीडियो बना रहे थे। पुलिस ने मौके से वागदारी निवासी अर्जुन डामोर मीणा और भंडारिया निवासी एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हो गए। अपहरण और मारपीट की घटना में घायल दोनों युवकों को छुड़ाने के बाद जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश और मामले की आगे की जांच में जुटी है।

सिणधरी में 401 किलो डोडा-पोस्ट व हथियार जब्त किये



सिणधरी थाना पुलिस ने एसयूवी वाहन व डोडा-पोस्ट जब्त किया।

बालोतरा, (निसं)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिणधरी थाना पुलिस ने कारवाई करते हुए 401 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्ट बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एसयूवी वाहन, एक मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं। वाहन की तलाशी के दौरान कई फर्जी नंबर प्लेट मिलने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा राजेश कानावत आईपीएस के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश

■ **तस्करी में प्रयुक्त एसयूवी वाहन भी जब्त, कई फर्जी नंबर प्लेट मिलने की जानकारी भी सामने आई है**

लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 28 अक्टूबर को थाना सिणधरी पुलिस टीम ने थाना अधिकारी शंकरलाल के

नेतृत्व में नाकाबंदी के दौरान यह कारवाई की। पुलिस के अनुसार, कारवाई के दौरान 401 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्ट बरामद कर एसयूवी वाहन जब्त किया गया। वाहन की तलाशी में एक मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस मिले। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ के खोत, खरीद-फरोख्त, तस्करी में प्रयुक्त वाहन की वास्तविक पहचान और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच कर रही है।

डूंगरपुर में लग्जरी कार से 4.10 लाख रुपए बरामद



ओबेरी पुलिस ने लग्जरी कार से केश, मोबाइल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। जिला स्पेशल पुलिस टीम ओर ओबरी थाना पुलिस ने पंचायतीराज चुनाव की आचार संहिता के दौरान एक लग्जरी कार से 4 लाख 10 हजार केश जब्त कर आरोपी को पकड़ा है। पुलिस ने कार और मोबाइल जब्त किया है। केश की अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल करने और हवाला कारोबार से जुड़ा होने का शक है। पुलिस इसे लेकर जांच कर रही है। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई है। बुधवार को टीम को चुनाव के दौरान संदिग्ध केश परिवहन की सूचना मिली। इस पर

■ **कार और मोबाइल जब्त, केश का हवाला कारोबार से जुड़ा होने का शक**
■ **डीएसटी-पुलिस ने कार और मोबाइल जब्त किए, हवाला कारोबार से जुड़ाव की जांच की**

टीम ने मौके पर पहुंचकर नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान गुजरात नंबर की एक संदिग्ध कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो ड्राइवर

ने रफ्तार गति से कार भगाने की कोशिश की। टीम ने पीछा किया और ओबरी थाना पुलिस की मदद से विराट गांव के पास कार को रुकवा लिया। तलाशी के दौरान कार में रखी काले रंग की पॉलीथिन थैली से नोटों के 9 बंडल मिले। पुलिस ने केश की गिनती की तो कुल 4 लाख 10 हजार रुपए मिले। इनमें 3 लाख रुपए के 6 बंडल, 50-50 हजार रुपए के 2 बंडल और 10 हजार रुपए का एक बंडल था। केश के बारे में संदेह होने पर पुलिस ने जब्ती की कार्रवाई की। साथ ही केश रखने वाली थैली को सील कर दिया। पुलिस अब केश के स्रोत और इसे लेने के उद्देश्य की जांच कर रही है।

वृद्ध के खाते से पचास हजार रुपए निकाले

जोधपुर, (कासं)। शहर के वृद्ध व्यक्ति को किसी शांतिर ने फ्राड का शिकार बनाते हुए उसके बैंक खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। उगी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। अब पीड़ित ने सदर बाजार थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

थानाधिकारी माणकणम विस्नोई ने बताया कि नागौरी सिलावटी का मोहल्ला शेख फ़तेर मिल्स के बुजुर्ग व्यक्ति मो. सलीम शेख की तरफ से मामला दर्ज कराया है। इनके अनुसार 23 अक्टूबर को किसी शांतिर ने परिचित बनकर कॉल किया। फिर बताया कि

अजमेर में टीचर के घर से बहन के जेवर व नकदी चोरी

■ **टीचर को चोरी की जानकारी डेढ़ महीने बाद हुई**

अजमेर, (निसं)। शहर के अलवर गेट थाना क्षेत्र की संगम कॉलोनी में एक टीचर के घर से सोने के जेवरत और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर घर में रखे टीचर की बहन के सोने के जेवरत और 10 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह है कि टीचर को चोरी की जानकारी करीब डेढ़ महीने बाद हुई। सामान संचालने के दौरान जेवरत और नकदी गायब मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। टीचर की रिपोर्ट पर अलवर गेट थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, संगम कॉलोनी निवासी टीचर सविता शर्मा ने रिपोर्ट में बताया कि 5 सितंबर को उनकी बहन घर पर आई थी। इस दौरान वह अपने सोने के जेवरत उनके पास सुरक्षित रखने के लिए छोड़कर गई थी। टीचर ने जेवरत घर में रख दिए थे। इसके बाद उन्हें उम्मीद नहीं थी कि घर में रखे सामान से इस तरह चोरी हो जाएगी। सविता शर्मा ने बताया कि 25 अक्टूबर की शाम को जब उन्होंने घर में रखा सामान संभाला तो सोने के

जेवरत और नकदी गायब मिले। जांच करने पर सोने का सेट, चेन, चूड़ियां और अंगूठियां नहीं मिलीं। इसके अलावा 10 हजार रुपए नकद भी गायब थे। घर में रखे कीमती सामान के इस तरह गायब मिलने पर उन्हें चोरी होने का संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

टीचर ने पुलिस को बताया कि वह दिनभर स्कूल में रहती हैं। उनके घर पर मीजुद नहीं रहने के दौरान घर में काम करने वाली महिला बर्तन साफ करने आती है और बर्तन बाहर रखकर चली जाती है। इसके अलावा नगर निगम का एक कर्मचारी भी घर से कचरा लेने आता है। ऐसे में घर में रखे जेवरत और नकदी किसी समय गायब हुए, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। टीचर की रिपोर्ट पर अलवर गेट थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

सादुलपुर में सड़क हादसे में विवाहिता की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर में सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से सोनू नामक विवाहिता की दर्दनाक मौत हो गई। जिसको लेकर विवाहिता के पिता ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ राजगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं पोस्टमार्टम कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिछपालसिंह चारण, डीएसपी हरिसिंह धायल ने घटना की जानकारी ली। इस दौरान तत्काल सोनू का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम हुआ। राजगढ़ थाना पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार प्रभुराम पुत्र आशाराम बोली

उन्होंने बताया कि आपको बेटी व दामाद पल्लू माता जी की धोक लगाकर वापिस बस से आये थे। दरेवा बस स्टैंड से बस से उतर कर घर जा रहे थे, सादुलपुर से तारानगर सड़क से गांव के अन्दर जाने वाली सड़क पर पैदल जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर सोनू के टक्कर मार दी एवं मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। इतने में गांव के अन्य व्यक्ति भी आ गये, जिन्होंने सोनू को सादुलपुर के श्रीनाथ अस्पताल लेकर आये, वहां पर डॉक्टर ने सोनू को मृत घोषित कर दिया।

बुहाना, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव के बीच बुहाना पंचायत समिति क्षेत्र के हंसास गांव में विकास कार्यों की समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। मंदिर की जमीन पर गांव बसा होने के कारण विकास कार्य अटकने से नाराज ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया और गांव के बाहर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने के कारण गांव के विकास का रास्ता बंद पड़ा है। विकास के लिए आने वाला बजट भी खर्च नहीं हो पाता और वापस लौट जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक समस्या के समाधान को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक वे मतदान नहीं करेंगे।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में विकास कार्य करवाने और जमीन से जुड़ी समस्या का समाधान करने के लिए कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मांग उठाई जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। ग्रामीणों का कहना है कि आवहानस तो कई बार मिले, लेकिन धरातल पर कोई ठोस



विकास कार्य अटकने से नाराज ग्रामीणों ने हंसास गांव के बाहर धरना दिया।

कदम नहीं उठाया गया। इससे गांव में आवश्यक विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने इस बार मतदान से दूरी बनाने का निर्णय लिया।

एसडीएम, तहसीलदार और विधायक ने बनाया , फिर भी नहीं माने ग्रामीण -- मतदान बहिष्कार की सूचना मिलने पर प्रशासनिक

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को समझाकर मतदान के लिए राजी करने का प्रयास किया। बुहाना एसडीएम शकुंतला, तहसीलदार बाबूलाल बिजारणियां और विधायक श्रवण कुमार भी ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें मनाने पहुंचे। हालांकि, ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका कहना है कि अब केवल समझाइश और आश्वासन से

काम नहीं चलेगा। जब तक समस्या के समाधान की दिशा में ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक मतदान करने का सवाल ही नहीं उठता।

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की जमीन पर गांव बसा होने के कारण विकास कार्य करवाने में बाधाएं आ रही हैं। इसके चलते गांव के विकास के लिए उपलब्ध बजट का भी समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण चाहते हैं कि

■ **गांव में विकास ठप होने से 412 मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार कर धरना दिया**

जमीन से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि गांव में जरूरी विकास कार्य शुरू हो सकें और लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। उनका कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस समस्या का समाधान अब और टाला नहीं जाना चाहिए।

करीब 100 घर , 412 मतदाता, प्रशासन के सामने चुनौती -- हंसास गांव बुहाना तहसील की झांझा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। गांव में करीब 100 घर हैं और कुल 412 मतदाता हैं। ऐसे में मतदान के बहिष्कार के फैसले से प्रशासन के सामने ग्रामीणों को मतदान के लिए राजी करने की चुनौती खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि उनकी मांग गांव के विकास से जुड़ी है और वे इसका स्थायी समाधान चाहते हैं।